नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

क्या पाकिस्तान सिर्फ मोहरा निकला?

भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह का हालिया बयान देश की सुरक्षा और सामरिक नीति को लेकर एक नई चेतावनी लेकर आया है.उन्होंने साफ कहा कि,अब भारत को एक साथ दो नहीं, तीन मोर्चों पर जंग के लिए तैयार रहना होगा. यह बात उन्होंने हवा में नहीं कही, बल्कि भारत द्वारा हाल ही में अंजाम दिए गए %ऑपरेशन सिंदूर% के गहरे अनुभव के आधार पर रखी.इस ऑपरेशन के खुलासे से जो सबसे चौंकाने वाली बात सामने आई वह यह कि पाकिस्तान की आड़ में असली चालबाज चीन था. भारतीय सेना ने जिन आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया, उसके जवाब में पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों को टारगेट करने की कोशिश की – लेकिन यह निर्णय उसने खुद नहीं लिया था. लेफ्टिनेंट जनरल के मुताबिक, यह पूरा निर्देश चीन से आया था, जिसने पाकिस्तान की जमीन का उपयोग करके अपनी मिसाइलों, फाइटर जेट्स और एयर डिफेंस सिस्टम की लाइव फील्ड टेस्टिंग की.

यह सामान्य युद्ध नहीं था, बल्कि एक हाइब्रिड वॉर था जिसमें चीन, पाकिस्तान और तुर्किए तीनों एक साथ भारत के खिलाफ सक्रिय थे. सबसे खतरनाक जानकारी यह थी कि चीन ने पाकिस्तान को भारत की सैन्य गतिविधियों की लाइव इंटेलिजेंस दी. यहां तक कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ को फोन कर बताया कि आपका एक वेपन सिस्टम एक्टिव हो रहा है, इसे रोक दीजिए.सवाल यह है कि पाकिस्तान को भारतीय हथियार प्रणाली की ऐसी सटीक जानकारी कैसे मिली ? जवाब साफ है- चीनी खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान को यह सब बताया. लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान को जो ड्रोन मिले, वे तुर्किए से आए थे, और उन ड्रोन को उड़ाने वाले सैनिक भी पाकिस्तानी नहीं, बल्कि तुर्क फौज के थे.यानी भारत अब केवल अपने पड़ोसी से नहीं, एक त्रिकोणीय दुश्मन गुट से जूझ रहा है.इस पूरी जटिल परिस्थिति में भारत के राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही. लेफ्टिनेंट जनरल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेनाओं को पूरी छूट दे रखी थी – कहा गया था कि ऐसा जवाब दो कि दुश्मन अगली बार सोचने पर मजबूर हो जाए.

और यही हुआ.जब भारत की ब्रह्मोस मिसाइल पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस तक पहुंची और चीन को यह अंदेशा हुआ कि इसमें परमाणु हथियार भी हो सकता है, तो खुद चीन ने पाकिस्तान को पीछे हटने को कहा. यहीं से पाकिस्तान की घबराहट शुरू हुई और वह सीजफायर की गुहार लगाने लगा.जहां अमेरिका इस पूरे मामले में ुशांति और संयमु की बातें करता रहा, वहीं असल में पर्दे के पीछे की सारी कमान चीन के हाथों में थी. वही युद्ध शुरू करवा रहा था, वही अपने हथियारों की परीक्षा ले रहा था, और वही युद्ध रुकवाने के लिए पाकिस्तान को दबाव में ला रहा था.

यह एक सुनियोजित रणनीति थी कि,चीन ने अपने हर कदम को बड़ी चतुराई से खेला, लेकिन भारत की सेना और नेतृत्व ने भी उतनी ही कुशलता से जवाब दिया. दरअसल,ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने जो सीखा है, वह भविष्य के हर नागरिक, सिपाही और रणनीतिकार के लिए महत्वपूर्ण है – युद्ध अब केवल बारूदी गोलियों का नहीं, बल्कि सूचना, तकनीक और वैश्विक गठबंधनों का है. भारत को अब युद्ध के इस नए रूप के लिए पूरी तरह से तैयार रहना होगा. जाहिर है नया भारत अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं देगा, वह प्रभाव पैदा करेगा.

डॉ. मुखर्जी की संकल्पना पर बनी कश्मीर नीति

श्री भूपेन्द्र सिंह
पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक

> जब कभी भारत की एकताअखंडता एवं राष्ट्रीयता की बात होगी तब-तब डॉ. मुखर्जी द्वारा राष्ट्रजीवन में किये गए योगदान की चर्चा अवश्य होगी. भारतीय जनता पार्टी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अपना आदर्श मानती है. इसलिए बीजेपी का यह प्रमुख नारा है जहां हुए बलिदान, वह कश्मीर हमारा है. जो कश्मीर हमारा है वह सारा का सारा है . श्यामा प्रसाद मुखर्जी का मानना था एक देश में दो निशान नहीं हो सकते हैं. प्रखर राष्ट्रवाद के पुरोधा के तौर पर आज उनको याद किया जाता है. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने साल 1953 में बिना परमिट के कश्मीर का दौरा किया था. जहां उन्हें जम्मू कश्मीर के तत्कालीन शेख अब्दुल्ला सरकार ने गिरफ्तार कर लिया था. इसी दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई. जिसके बाद खूब हंगामा हुआ. और अंत में जवाहरलाल नेहरू ने कश्मीर से परमिट सिस्टम को हटा दिया.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन के कई सारे महत्त्वपूर्ण कामों में से तीन काम ऐसे थे जो सदियों तक देश याद करेगा. देश के इतिहास को बदलने वाले यह तीन काम थे ,आजादी के पहले बंगाल का विभाजन कराना.दूसरा भारतीय जनसंघ की स्थापना और तीसरा कश्मीर के लिए आंदोलन.

एक देश में दो निशान दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे . यह शब्द हैं, जनसंघ के संस्थापक और इसके पहले अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के . वहश्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन के सपनों के कश्मीर को आज हम देख रहे हैं . भारतीय राजनीति में वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने कश्मीर को विशेष दर्जा दिए जाने के खिलाफ आवाज बुलंद की थी . उन्होंने कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने का सपना देखा था उन्होंने 370 हटाने के लिए है लड़ाई लड़ी.

आज हम जिस कश्मीर को देख रहे हैं उसकी नींव श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ही रखी थी और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पदचिन्हों पर चलते हुए केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटा दिया. एक देश में दो निशान दो विधान दो संविधान नहीं चलेंगे इस नारे को साकार आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने धारा 370 को हटा करके किया है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं दृढ़ इच्छाशक्ति तथा गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति के कारण अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हमेश के लिए खत्म कर दिया गयाएक निशान, एक विधान, एक प्रधान का जो सपना डॉ. मुखर्जी ने देखा था, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने साकार किया.

डॉ. मुखर्जी का कहना था, 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे.' यह नारा जनसंघ और आगे चलकर भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए संकल्प वाक्य बना. डॉ. मुखर्जी के पद चिन्हों पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब से देश की बागडोर अपने हाथो में ली है, तब से कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने, भारतीय संस्कृति की शिक्षा एवं संस्कार को आधार मानते हुए सारे विश्व में इसके प्रसार के लिए वे अग्रदूत की भूमिका का निर्वहन कर रहे है. डॉ. मुखर्जी के दृष्टिकोण एवं सकल्पों को श्री मोदी ने 'माय इंडिया ऑफ इंडिया' के रूप में कई बार संसार के समक्ष भी रखा है.

नरेन्द्र मोदी सरकार ने डॉ. मुखर्जी के अखण्ड भारत के सपने को आकर देते हुए जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर एकदेश एकनिशान एक संविधान को लागू कर राष्ट्र उन्हें वास्तविक श्रद्धांजलि दे रहा है.

डॉ. मुखर्जी का दृष्टिकोण, मोदी सरकार के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश पुंज के समान है.

मोदी सरकार की 11 साल से अधिक की लंबी यात्रा: 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन को मानने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों के अनुरूप रही है.

आजादी के बाद बनी नेहरू सरकार में डॉ. मुखर्जी को उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री बनायागया. वह सरकार का हिस्सा थे, किंतु उसी दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा नेहरू लियाकत पैक्ट में हिंदू हितों की अनदेखी से क्षुब्ध होकर उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया. राष्ट्रीय स्वयंसेवकसंघचालक गुरु गोलवलकर जी से परामर्श करने के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर बलराज मधोक और पंडित दीनदयालउपाध्याय द्वारा 21 अक्टूबर 1951 को दिल्ली में भारतीय जन संघ की नींव रखी गई.

1951-52 में हुए पहले आम चुनाव में जनसंघ तीन सीटो पर चुनाव करने में सफल रहा. डॉ. मुखर्जी कोलकाता से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे. विपक्ष के कई दलों ने मिलकर उन्हों लोकसभा में विपक्ष का नेता चुना. जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370, परमिट सिस्टम को वह देश की एकता व अखंडता में बाधक मानते थे. इसके लिए संसद में उन्होंने कई बार आवाज उठाई.

1951-52 में पहले आम चुनाव के दौरान प्रजा परिषद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में राजनीतिक दल-जनसंघ ने डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की उन बातों का समर्थन किया, जिनमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने तथा राज्य को पूरी तरह से भारत के संविधान के अंतर्गत लाने संबंधी विचार रखे गए थे. यह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और मास्टर तारा सिंह के संघर्ष का ही परिणाम था कि आधा पंजाब और बंगाल भारत का अभिन्न अंग बना रहा. परमिट सिस्टम का विरोध करते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बिना परमिट आने का निर्णय किया.

विंध्य की डायरी

सशक्त नारी और आदिवासी गौरव सम्मेलन में क्या महिला का अपमान!

डॉ. रवि तिवारी

डॉ. मोहन यादव की सरकार में प्रदेश भर में महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है और महिलाओ को हर क्षेत्र में आगे आने के लिये प्रोत्साहित करने के साथ उन्हे सशक्त बनाया जा रहा है . लेकिन सिंगरौली के सरई में सशक्त नारी एवं आदिवासी गौरव सम्मेलन शुक्रवार को हुआ. जहां जिला पंचायत अध्यक्ष सोनल सिंह को न्योता नही दिया गया और न ही आमंत्रण कार्ड में नाम लिखा गया. जबकि सोनम आदिवासी महिला है, क्या यह माना जाय कि कांग्रेस नेत्री होने के कारण सोनम सिंह का अपमान किया गया या फिर कोई मानवीय त्रुटि रही है. कांग्रेस ने इसे आदिवासी महिला का अपमान बताते हुए सत्ता पक्ष को घेरना शुरू कर दिया है. सवाल यह उठता है कि आदिवासी गौरव सम्मेलन था तो फिर निर्वाचित महिला जिला पंचायत अध्यक्ष को नजरअंदाज क्यो किया गया? यहा सवाल उठना लाजमी है. सोनम सिंह का कहना है कि एक आदिवासी महिला और जिला पंचायत अध्यक्ष होते हुए भी आमंत्रण कार्ड में मुझे स्थान नही दिया गया. यह एक जान बूझ कर किया गया अपमान है और यह दिखाता है कि सरकार के कुछ अधिकारी आदिवासियो और महिलाओ का गौरव बढ़ाने के बजाय उन्हे नीचा दिखाने में लगे है. फेसबुक पोस्ट में लिखे गये बयान के बाद ऊर्जाधानी में राजनीतिक हलचल मच गई है, साथ ही सवालो के घेरे में प्रशासन है. पूरे मामले को लेकर विपक्ष सरकार और प्रशासन पर हमला बोलना शुरू कर दिया है और नेताओं ने इसे जनप्रतिनिधियो के अपमान के साथ लोकतंत्र की हत्या करार दिया है. एक सवाल यह उठता है कि क्या यह मात्र एक प्रशासनिक चूक है या फिर जानबूझ कर उठाया गया कदम है.

रील बनाने का लगा चस्का

अधिकारी-कर्मचारियों को रील बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने का इस समय चस्का लगा हुआ है, फिर चाहे किसी विभाग के अधिकारी क्यो न हो. कार्यालयीन समय में बकायदे रील बनाते है और फिर वायरल करते है. कुछ दिन पहले एक संभागीय स्तर के अधिकारी की रील सोशल मीडिया में वायरल हुई थी. हालाकि बाद में उन्होने हटा दिया था. इस समय एक महिला थाना प्रभारी की रील सोशल मीडिया में वायरल है. जिम्मेदार अधिकारी कई रील बनाने वालो के खिलाफ कार्यवाही भी कर चुके है. उसके बाद भी रील बनाने का चस्का ऐसा लगा है कि कार्यवाही का कोई डर् साहब को नही है.

अपने सांसद की अजब सलाह

रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा हमेशा सुर्खियो में बने रहते है, अपनी स्थानीय बघेली बोली में वह ऐसी बात बोल देते है जो लोगो को भले ही बुरी लगे पर कही न कही उसमे सच्चाई छिपी होती है. बिना लाग लपेट के बोल कर विवाद के घेरे में आ जाते है. इस बार उन्होने बच्चो को लैपटाप खरीदने के लिये एक अजब आईडिया दे डाला. दरअसल शुक्रवार को प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को लैपटाप के लिये राशि वितरण का कार्यक्रम था. जिसमें बतौर मुख्य अतिथि रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा शामिल हुए. अपने अंदाज में उन्होने सम्बोधन शुरू करते हुए छात्रो से पूंछा लैपटाप मिला कि नही मिला? फिर आगे उन्होने कहा अब यही समस्या है लैपटाप मिलेगा भी या नही. मुख्यमंत्री ने तो आप लोगो के खाते में पैसा भेज दिये है अब आपके माता-पिता आपको लैपटाप दिलाएगे की नही. इस पैसे को वो सत्यनारायण की कथा में लगा देगे या फिर चोंगी फूकने में लगा देगे, यह तो भगवान ही जाने. कैसे भी करके इस पैसे से लैपटाप खरीदना फिर चाहे इसके लिये लडऩा झगडऩा ही क्यो न पड़े, बिना लड़े आपको लैपटाप नही मिलने वाला. सोशल मीडिया में बयान वायरल होने के साथ चर्चा का विषय बना हुआ है.

आपरेशन सिंदूर के दौरान पाक को चीन, तुर्किए की मदद थी

अब पहलगाम आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया तब उसका मुकाबला सिर्फ पाकिस्तान नहीं, बल्कि चीन और तुर्किए से भी था. पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था और चीन अपने सैटेलाइट की मदद से उसे भारत की सैन्य तैयारियों का लाइव डाटा लीक कर रहा था. चीन से उसे महत्वपूर्ण सेक्टर (प्रहार की दिशा और हमले के आकार-प्रकार) की लगातार सूचना मिलती जा रही थी. पाकिस्तान के पास 81 प्रतिशत सैन्य हार्डवेयर चीन निर्मित हैं. इस अभियान में चीन ने अपने हथियारों का परीक्षण पाकिस्तान से करवाया ताकि वास्तविक लड़ाई में उनकी क्षमता मालूम हो सके. पाकिस्तान ने चीन की हथियार प्रयोगशाला का काम किया. तुर्किए ने भी इसी तरह की भूमिका निभाई. भारत के उप सेना प्रमुख राहुल सिंह के अनुसार जब भारत व पाकिस्तान के बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री आपरेशन्स (डीजीएमओ) स्तर पर वार्ता चल रही थी तब चीन की ओर से पाक को भारत की अग्रिम मोर्चे पर तैनाती की इनपुट दी जा रही थी. भारत ने च्ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक सीमा पर जंग लड़ते हुए 3 विरोधियों को शिकस्त दी और स्पष्ट संकेत दे दिया कि अब पहले के समान आतंकवादी कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. भारत ने पाकिस्तान में कुल 21 टारगेट तय किए थे लेकिन फिर सेना की कार्रवाई से ठीक पहले आखिरी घंटे में तय किया गया कि 21 में से किन 9 को निशाना बनाना है.

चीन ने पाकिस्तान को जिस तरह डाटा उपलब्ध कराया उससे उसकी खोटी नीयत सामने आ गई. भारत ने इस अभियान के जरिए पूरी दुनिया को यह संदेश भेजा कि हमारी तीनों सेनाएं एकीकृत बल हैं और पूरे समन्वय व तालमेल से कार्रवाई करती हैं. ऑपरेशन सिंदूर से यह सीख भी मिली कि भारत को अपने आबादीवाले इलाकों में एयर डिफेंस मजबूत रखनी चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

वृक्ष से हुई नोटों की बरसात इसके पीछे बंदर का हाथ

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, अचानक 500 रुपए वाले नोटों की बारिश होने लगे तो आपको कैसा महसूस होगा? तमिलनाडु के कोडईकनाल की गुना केव के पास ऐसा ही हुआ. उन गुफाओं को देखने गए पर्यटकों पर एक वृक्ष से नोटों की बरसात होने लगी. लोगों ने जमकर नोट बटोरे. हुआ यूं कि एक पर्यटक के बड़े से बैग में नोटों के ढेर सारे बंडल थे. वहां एक बड़ा सा बंदर आया जिसे लगा कि बैग में कुछ खाने की चीजें होंगी. वह झपट्टा मारकर बैग ले भागा और झाड़ पर चढ़ गया. वहां से बैग खोलकर नोट बरसाने लगा और नीचे लोगों में नोट लूटने-बटोरने की आपाधापी मच गई. मुफ्त का माल दिखा तो चले अपनी जेब भरने!

हमने कहा, किसी पर्यटन स्थल या तीर्थस्थान पर बंदरों से से हमेशा सावधान रहना चाहिए. लोग प्रसाद खरीद कर आगे बढ़ते हैं लेकिन मंदिर तक पहुंचने के पहले ही बंदर लपककर छीन लेता है. खास बात यह है कि प्रसाद बेचनेवालों को बंदर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते. या तो वह उसके डंडे से डरते हैं या मानकर चलते हैं कि यह जब प्रसाद बेचेगा तभी तो ग्राहक से छीनने का मौका मिलेगा.

पड़ोसी ने कहा, च्बंदर के लिए नोट किस काम के! इसलिए उसने नीचे फेंकना शुरू कर दिया. नोट की कीमत इंसान जानता है इसलिए सारी जिंदगी नोटों के पीछे भागता है. कहावत है-बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ! एक व्यक्ति ने बंदर पाल रखा था जो उसकी सेवा करता था. वह व्यक्ति सोया हुआ था तब एक मक्खी बार-बार उसकी नाक पर बैठने लगी. बंदर से देखा नहीं गया. उसने बार-बार मक्खी को भगाया लेकिन वह फिर उसके मालिक पर आकर बैठ जाती थी. पास में तलवार पड़ी थी. बंदर ने आव देखा ना ताव. मक्खी पर तलवार चला दी इससे मक्खी तो बच गई लेकिन मालिक की नाक कट गई. इसलिए बंदर के हाथ में तलवार नहीं देनी चाहिए. जो अयोग्य है वह सारा काम बिगाड़ देता है और नुकसान पहुंचाता है.हमने कहा, बंदर चालाक भी होता है. आपने दो बिल्लियों की कहानी सुनी होगी जो एक रोटी के लिए आपस में लड़ रही थी. बंदर ने कहा कि मैं तुम्हारा फैसला कर देता हूं और आधी-आधी रोटी बांट देता हूं. रोटी को बांटने के नाम पर वह खुद ही खा गया. आज भी नेता और अफसर जनता के पैसे की आपस में बंदरबांट कर लिया करते हैं व पब्लिक तरसती रह जाती है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11954
-डॉ. सागर खादीवाला

1			2	3		■	4
	■	■	5		■	6	
7		8		■	9		
	■		■	10	■	11	
■	12		13		■		■
14				■	15		16
■		■	■	17	■	18	
19			■	20			■

ऊपर से नीचे
1. आंतों में सूजन की बीमारी
2. पांडवों में से एक
3. सलीब, दार, फांसी, प्राण दंड
4. वर्षा, पावस
6. टेस्ट ट्यूब बेबी
8. खिला हुआ बाग बगीचा
10. जुआ (सं.)
12. काक्रोच
13. ध्वनि, शब्द
16. नवीन, नूतन, अभिनव
17. सर्प, राहु, पृथ्वी, जल (सं.)

बाएं से दाएं
1. म्यानमार की नोबल शांति पुरस्कार विजेता नेत्री
5. भारवाहक, बोझा ढोने वाला
6. परंतु, पंख
7. हो-हल्ला
9. एक राक्षसी
11. पत्र, चिठ्ठी
12. व्यापार (उर्दू)
14. पक्षियों के चहचहाने की ध्वनि
15. सभ्य, सुसंस्कृत
18. शंकर, शंभू, महादेव,
19. शिला, पत्थर का विशाल खंड
20. चंद्रमा, रजनीश (सं.)

Solution 11953

1 उ	2 प	न	3 य	न	4 स	स्का	5 र
6 जा	ग	■	क	■	धि	■	ह
ड	■	7 अ	ख	ला	■	8 घ	न
9 ना	10 ट	की	य	■	11 पा	र	स
■	12 प	द	क	■	13 त	बा	ह
14 फ	क	त	■	15 से	■	16 र	न
17 त	ना	■	18 आ	म	19 क	■	■
वा	■	20 स	ज	ल	न	य	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनिश्चय की राजनीति का सामना करना होगा, व्यापार में विशेष परिश्रम करना होगा, स्वास्थ्य गड़गड़ रहेगा, चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष प्रयत्न करने से कार्यबनेगा, वर्ष के मध्य में यात्रा होगी, कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में अधिकारियों से मेलजोल रहेगा. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को विशेष चिकित्सा के क्षेत्र मेंसफलता मिलेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनेतिक अस्थिरता का सामना करना होगा, सिंह राशि के व्यक्तियोंको अचानक धन लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को सुखद यात्रा होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को स्थितियों से संयम सतर्कता रखना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, सुशील, होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त करेगा. इनकी विचारधारा स्वतंत्र रहेगी, माता पिता को सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

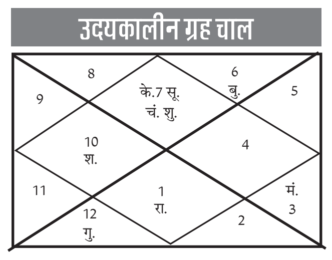

पंचांग

रा.मि. 16 संवत् 2082 आषाढ़ शुक्ल द्वादशी चन्द्रवासरे रात 10/20, अनुराधा नक्षत्रे रात 1/21, शुभ योगे रात 10/57, वव करणे सू.उ. 5/14 सू.अ. 6/46, चन्द्रचार वृश्चिक, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1, 4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

आषाढ़ शुक्ल द्वादशी को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, पीतल, लोहा, शेयर खली, बिनौला, जीरा, धनियां, लालमिर्च, हल्दी, मैथी, के भाव में तेजी होगी. गुड़ खांड़ में नरमी रहेगी. भाग्यांक 3715 है.

मेष- किसी भूले बिसरे साथी से मुलाकात होगी. कामकाज में शिथिलता रहेगी. अतिथि रावणमन हो सकता है. खर्च पर नियंत्रण रखें हितकर रहेगा.

वृषभ- विरोधियों से कड़े मुकाबले की आशंका है, सत्संग का लाभ होगा. नवीन योजनाओं का विस्तार होगा. प्रगतिवर्धक समाचार मिलेंगे. खर्च अधिक होगा.

मिथुन- छोटी मोटी जरूरतों पर धन व्यय होगा. मनोरंजक यात्रा का योग है जिससे मन प्रसन्न रहेगा. उत्तरदायित्यों की पूर्ति होगी. स्थान परिवर्तन का योग है.

कर्क- व्यापार के क्षेत्र में नये अवसर प्राप्त होंगे. कामकाज में मन लगेगा. संतानपक्ष से सहयोग मिलेगा. प्रियजनों से भावनात्मक पीड़ा होगी.

सिंह- मेहनत करने से ही सफलता के आसार हैं. भाग्य आपका साथ देगा. पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. मानसिक सुख संतोष रहेगा.

कन्या- स्वास्थ्य का विशेष तौर पर ध्यान रखें. अस्वस्थ्यता एवं आलस्य का अनुभव होगा. योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें. सफलता अवश्य प्राप्त होगी.

तुला- कानूनी मामले के कार्यो में सावधानी से निर्णय करें, शत्रु वर्ग पराजित होगा. प्रियजनों के कारण भावनात्मक कष्ट होगा. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र में भाग्य साथ देगा. किसी आवश्यक कार्य हेतु यात्रा होगी. शिक्षा से संबंधित कामकाज बनेंगे. संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी.

धनु- धार्मिक कार्य पूजा पाठ में मन लगेगा, सामाजिक कार्य या किसी उत्सव में भाग लेंगे, कोर्ट कचहरी आदि के मामले में निर्णय आपके पक्ष में रहेगा.

मकर- व्यापार व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता के आसार हैं, पुमकर समस्या हल होने का योग है. पुरूषार्थ के कार्यो में अच्छी सफलता मिलेगी. मित्र मिलन होगा.

कुम्भ- दोस्तों के माध्यम से पुराने विवादों का हल होगा. धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी. आर्थिक समस्या का समाधान होगा. कुटुम्बियों का सुख रहेगा.

मीन- अप्रत्याशित घटनायें होंगी. काम में मन नहीं लगेगा. दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी. दिनचर्या अनुकूल रहेगी. चिन्ता दूर होगी. खानपान पर संयम रखें.

SUDOKU 7086

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7085

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7